लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2162

24 दिसंबर, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात की खपत

2162. श्री ए. अरुणमणिदेवनः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि इस्पात क्षेत्र, जो कि अत्यधिक घरेलू मांग के बीच आईबीसी प्रक्रिया के अंतर्गत अब समेकित मोड में है, का कोई ग्रीन फील्ड विस्तार नहीं होगा क्योंकि कम से कम आगामी पांच वर्षों या इससे अधिक समय में मिलों के स्वामियों द्वारा ब्राउन फील्ड में जाने की संभावना है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह भी सच है कि वित्त वर्ष 2018 में घरेलू इस्पात की मांग 91 मिलियन टन रही है जिससे भारत विश्व में अयस्क का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बन गया है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि आगामी वर्ष में इस मांग में लगभग 7-8 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। सरकार की भूमिका सुविधाप्रदाता की होती है। ब्राउन फील्ड अथवा ग्रीन फील्ड प्रक्रिया के जरिए विस्तार करने का निर्णय मिल स्वामियों का विशेषाधिकार है और ऐसे उद्यमों की वाणिज्यिक सफलता का आकलन कब और कैसे निष्पादित किया जाना है, उनकी इच्छा पर निर्भर करता है। ग्रीन फील्ड परियोजना में आईबीसी प्रक्रिया से निवेश का उद्योग के समेकन का प्रभाव कम समय में आकलित नहीं किया जा सकता।

(ख): वित्तीय वर्ष 2018 अर्थात् 2017-18 के दौरान देश में कुल फिनिश्ड इस्पात की खपत 90.71 मिलियम टन थी। (स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति)

विश्व में भारत फिनिश्ड इस्पात का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, इससे संबंधित ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में संलग्न है।

(ग): चालू वित्त वर्ष 2018-19 के प्रथम सात माहों में फिनिश्ड इस्पात की खपत में 7.9% की वृद्धि हुई। तथापि, बाजार में अस्थिरता है तथा इसमें चक्रीय परिवर्तन होते रहते हैं। अतएव, आगामी वर्ष हेतु 7-8% की वृद्धि दर की संभावना अर्थव्यवस्था में स्थूल आर्थिक सिद्धांत की प्रक्रिया पर निर्भर करता है। खपत में वृद्धि दर संबंधी ब्यौरे **अनुलग्नक-II** में दिए गए हैं।

****

अनुलग्नक-I

(लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2162 दिनांक 24.12.2018)

विश्व के बड़े फिनिश्ड इस्पात उपभोक्ता

विश्व के शीर्ष 10 फिनिश्ड इस्पात उपभोक्ता, 2017		
स्थान	**देश**	**मात्रा (एमटी)**
1	चीन	736.8
2	यूएसए	97.7
3	भारत	88.7
4	जापान	64.4
5	दक्षिण कोरिया	56.4
6	जर्मनी	41.0
7	रूस	40.6
8	टर्की	36.1
9	मैक्सिको	26.4
10	इटली	24.6
कुल : शीर्ष 10		**1212.7**
विश्व		**1595.4**
स्रोत: वर्ल्ड स्टील; अनंतिम भारत को छोड़कर; एमटी=मिलियन टन		

अनुलग्नक-II

(लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2162 दिनांक 24.12.2018)

वर्ष	**हजार टन में वास्तविक उपभोग**	**प्रतिशत वृद्धि दर**
2017-18	90708	7.9
अप्रैल-अक्टूबर 2017	51904	
अप्रैल-अक्टूबर 2018	55992	7.9
स्रोत: जेपीसी		

****